VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड / **Test Code : 2488**

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0473817

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Sandeep kumar meena

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

तारीख
Date
25/8/2023

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre
Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISIONIAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड – A / SECTION – A

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

"एक बार चाणक्य एक गाँव से गुजर रहे थे। वहाँ उन्होने ने बच्चों को खेलते हुए देखा और खेल-खेल में एक बच्चा न्याय करता है। चाणक्य इस बच्चे की प्रतिभा को पहचानता है। इस बच्चे को समुचित प्रशिक्षण

देता है। इस प्रशिक्षण के बाद यह बच्चा नंद वंश को उखाड़ फेंक देता है। भारत में मौर्य वंश की स्थापना करता है। यह बच्चा चंद्रगुप्त मौर्य के नाम से प्रसिद्ध पाता है।"

उपर्युक्त कहानी का सार यह है कि बच्चों का चयन राष्ट्र निर्माण करने के लिए बेहतर है। चाणक्य ने भी इस महान कार्य के लिए किसी वयस्क का चयन नहीं किया वरन् एक बच्चे का चयन किया।

समाज में मजबूत बच्चों के निर्माण के माध्यम से परिवर्तन करना आसान है क्योंकि बच्चे कोरे कागज होते हैं जिन पर माता-पिता, शिक्षक का प्रभाव एवं प्रथम गुरु की भूमिका में माँ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस कथन का समग्र विश्लेषण करने पर कुछ प्रश्नों पर विचार करते हैं। टूटे हुए वयस्क से हमारा क्या आशय है? मजबूत बच्चों का निर्माण टूटे वयस्क से बेहतर क्यों हैं? क्या टूटे हुए वयस्क सभी अर्थों में बेहतर नहीं होते? क्या सभ्यता के प्रारंभ से वर्तमान तक विकास परंपरा में बच्चों को अधिक महत्व दिया या वयस्क?

~~स्पष्टत: उपर्युक्त प्रश्नों के समग्र चिंतन करने पर~~

मजबूत बच्चों का निर्माण टूटे हुए वयस्क से बेहतर क्यों है? यह द्वन्द्व वर्तमान बनाम भविष्य का भी है। महात्मा गांधी ने कहा था - आज का बच्चा कल का पिता और नागरिक है। अत: आज के बच्चे का निर्माण मूल्यों से युक्त होगा तो यह समावेशी समाज एवं मूल्यों से युक्त समाज का निर्माण करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसी क्रम में गांधी जी ने बच्चों के लिए मातृभाषा में शिक्षा एवं बुनियादी शिक्षा का समर्थन किया जिससे बच्चे आसानी एवं सहजता के साथ सीख सके।

टूटे हुए वयस्कों की मरम्मत पर बच्चों के निर्माण अमेरिका में भी वरीयता दी जाती है। यह वरीयता शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ओबामा केयर कार्यक्रम में हम देख सकते हैं।

इस चिंतन क्रम में नवोदित भारत की विकास यात्रा को देखते हैं तो आजादी की पूर्व संध्या पर भारत ने प्राथमिक शिक्षा पर बल दिया। आजादी के बाद प्राथमिक शिक्षा, IITs, AIMs एवं अन्य तकनीकी संस्थानों की स्थापना की जो वर्तमान में सुंदर ~~पिचाई~~, पिचाई, डा. सोमनाथ एवं चंद्रयान-3 की मिशन डायरेक्टर कल्पना के रूप में विकसित भारत की नींव रख रहे हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक और अवसर के रूप में भारत वर्तमान में खड़ा है। अपने मजबूत बच्चों का निर्माण के साथ अमृत काल में प्रवेश कर रहा है। माननीय प्रधानमंत्री ने इन मजबूत बच्चों की क्षमता पर विश्वास करते हुए कहते हैं - भारत 2027 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था एवं 2047 में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। यह विश्वास भारत की युवा शक्ति के आधार पर है। जिसकी औसत आयु 29 वर्ष है।

मजबूत बच्चों के निर्माण लिए संपूर्ण विश्व संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में विभिन्न सहायता ~~प्रारंभ~~ प्रदान करता है। भारत ने पोषण, आंगनबाड़ी कार्यक्रम, नई शिक्षा नीति - 2020 एवं आयुष्मान भारत कार्यक्रम अपने बच्चों के समग्र एवं बहुआयामी विकास के लिए प्रारंभ किये हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस कथन के सार को और विस्तार देते हैं तो मजबूत बच्चों का आशय किसी भी व्यवस्था के प्रारंभ से लगा सकते हैं। ~~रूस~~, अमेरिका, फ्रांस एवं रूस की क्रांतियों का सार स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व एवं गणतंत्र के रूप में है। यह बाल्यावस्था के मूल्य आगे चलकर भारत, द. अफ्रीका जैसे नवोदित राष्ट्रों के संविधान निर्माण के लिए कार्य करते हैं।

इसी प्रकार वर्तमान की नई तकनीक AI, IOT, मशीन लर्निंग एवं क्वांटम कम्प्यूटिंग वर्तमान में बाल्यावस्था में है यह तकनीक व्यापक होकर संपूर्ण मानव जीवन को 360° परिवर्तन की बात ~~करती~~ करती हुई नजर आयेंगी।

युआन नोह हरारे ने अपनी पुस्तक 21st शताब्दी में बच्चों की शिक्षा के महत्व पर बल देते हैं। बच्चों की शिक्षा पर खर्च करके ही आर्थिक विकास, महिला

महिला सशक्तीकरण जैसे मूल्यों को प्राप्त कर पायेंगे।

"टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।" इस कथन के दूसरे पक्ष का विश्लेषण करते हैं। क्या टूटे हुए वयस्क सभी अर्थों में बेहतर नहीं होते हैं? इस कथन का सार यह है कि हमारे लिए टूटे हुए वयस्क भी बहुत जरूरी है क्योंकि टूटे हुए वयस्क अपने जीवन के अनुभवों से परिपूर्ण होते हैं।

महात्मा गांधी पहली बार सार्वजनिक रूप से उपस्थिति बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई थी जब उनकी उम्र लगभग पचास वर्ष थी। यह उसी वयस्क के अनुभव का कमाल है कि भारत में सफलतापूर्वक तीन आंदोलनों

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

का संचालन किया।

इस विश्लेषण को हम भारतीय संस्कृति में भी देख सकते हैं जहाँ प्रत्येक अवस्था के लिए विभिन्न आश्रमों की स्थापना की है। प्रत्येक आश्रम समाज के कल्याण एवं समग्रता के लिए आवश्यक है यथा बाल्य अवस्था के लिए बाल आश्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। वहीं संपूर्ण परिवार एवं समाज के पोषण के लिए गृहस्थ आश्रम है। उसी प्रकार संयास आश्रम समाज के कल्याण के चिंतन के लिए आवश्यक है। वानप्रस्थ आश्रम युवा पीढ़ी को अवसर देने के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत की अर्थव्यवस्था 1991 में भुगतान संतुलन के संकट, विकास की धीमी गति का सामना कर रही थी। उस समय सुधारों की पहल एक अनुभवी अर्थशास्त्री मनमोहन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिंह ने की थी। भारत की दृढ़ता, सहयोग, समन्वय जैसे मूल्यों से युक्त अनुभवी अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन की राजनीति एवं परमाणु हथियारों से संपन्न बनाया है।

टूटे हुए वयस्कों की मरम्मत हमारे वर्तमान की मरम्मत है क्योंकि वर्तमान का निर्माण वयस्क ही कर सकते हैं बच्चे हमारा भविष्य है। टूटे वयस्कों की मरम्मत सतत विकास, जलवायु न्याय जैसे नये आयामों की पूर्ति के लिए आवश्यक है। जिससे हमारे बच्चों का भविष्य बेहतर हो सके।

वयस्कों की मरम्मत इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि बच्चे कोरे कागज

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

होते हैं इन पर लिखावट अनुभवी हाथों से हो तो बेहतर है। यह लिखावट मूल्यों से युक्त माता-पिता एवं दादा-दादी कर सकते हैं जिनके पास अनुभव रूपी ज्ञान का भंडार है। यह पीढ़ीगत ज्ञान के हस्तानान्तरण का माध्यम बन जाता है।

स्पष्टत: हमें टूटे हुए वयस्क एवं मजबूत बच्चों दोनों का बेहतर निर्माण करना होगा। हाँ यह बात अवश्य है कि मजबूत बच्चों का निर्माण आसान है लेकिन बिना सभ्य, मूल्यों से युक्त वयस्कों के मजबूत बच्चों का निर्माण संभव नहीं है। मजबूत बच्चों के निर्माण में संपूर्ण विश्व कुछ समस्याओं का सामना भी कर रहा है।

भारत जैसे राष्ट्र गरीबी, कुपोषण बाल मृत्यु दर, शिक्षा में लर्निंग पूवर्टी,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बाल श्रम, छोटी बच्चियों एवं बच्चों पर यौगिक हिंसा, बाल विवाह, प्राथमिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उपर्युक्त समस्याएं 21वीं सदी के बेहतर निर्माण के लिए एक अवरोध की भांति हैं। इन समस्याओं का समाधान करके ही मजबूत बच्चों का निर्माण कर पायेंगे।

अत: उपर्युक्त चिंतन का समग्र सार यह है कि सभ्यता का संपूर्ण विकास बच्चों एवं वयस्कों को के समग्र विकास में निहित है। हमें वर्तमान के लिए हमारे वयस्क महत्वपूर्ण है उसी प्रकार बेहतर कल का निर्माण मजबूत बच्चों के साथ है।

सतत विकास लक्ष्यों, मानव अधिकार मूल अधिकार एवं भारत के संविधान के उद्देश्य की प्राप्ति प्रत्येक बच्चे को चंद्रगुप्त गुप्त जैसा प्रशिक्षण एवं प्रत्येक वयस्क को चाणक्य जैसे गुरु बनाकर ही प्राप्त कर सकते हैं। यह वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे मूल्यों को संजोकर आगे बढ़ने पर वंचित, सुभेद्य एवं गरीब व्यक्तियों एवं बच्चों के कल्याण से ही निहित है-

"नाव जर्जर ही सही लहरों से टकराती तो है,
कहीं से एक चिंगारी ढूंढ लाओ दोस्तो,
इस दिये में तेल से भीगी बाती तो है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

" सन् 2019 की बात है जब इसरो के अध्यक्ष रोते हुए प्रधानमंत्री से सांत्वना पा रहे थे। लेकिन चार वर्ष का अथक संघर्ष चंद्रयान-3 ~~मिशन~~ की सफल लैंडिंग पर पूरे भारत में प्रशंसा के पात्र इसरो की टीम थी। ~~यह~~ भारत के प्रधानमंत्री ने इसरो

की इस सफलता पर इसरो की टीम को ~~बधा~~ बधाई देते हुए कहा - यह क्षण भारत के वैज्ञानिकों की मेहनत प्रतिफल है। यह क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है।"

उपर्युक्त सफलता की कहानी इसरो की टीम ने अपना चेहरा रोशन की ओर रखकर प्राप्त किया है। यह क्षण 23/08/2023 के स्थान पर इनके वर्षों का अथक परिश्रम है। कोई भी सफलता आप अपनी छाया की ओर देखकर प्राप्त नहीं कर सकते क्योंकि नय सृजन के लिए आशा की किरण आवश्यक है। राष्ट्र कवि दिनकर भी कहते हैं -

" अंधकार को क्यों धिक्कारें अच्छा है
एक दीप जलायें।

अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त कथन का समग्र विश्लेषण कुछ प्रश्नों पर विचार करके ही कर सकते हैं। रोशनी क्या है? अपना चेहरा रोशनी की ओर क्यों रखें? आपकी छाया क्या है? छाया क्यों न दिखाई दे?

रोशनी क्या है? इस प्रश्न का उत्तर है प्रत्येक व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के जीवन के उद्देश्य और उन उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आशान्वित रहना एक प्रकार से रोशनी हो सकती है। एक व्यक्ति के लिए मूल्यों से युक्त जीवन, मूलभूत आवश्यकता-ओं की पूर्ति एवं कौशल प्राप्त करना हो सकता है वहीं एक राष्ट्र के लिए विकासित राष्ट्र बनना एवं अपने नागरिकों के समग्र कल्याण हो सकता है।

अपना चेहरा रोशनी की ओर क्यों रखें? इस प्रश्न का विस्तार करने के लिए हमें एक व्यक्ति जीवन पर विचार करना होगा। एक व्यक्ति अपने जीवन

में सफल तभी हो सकता है जब वह सकारात्मक ऊर्जा एवं मूल्यों से युक्त होकर कार्य करता है। गीता में कहा है निष्काम भाव से कर्म करना चाहिए। यही चिंतन पाश्चात्य विचारक कांट के कर्तव्य कर्तव्य के लिए की संकल्पना में देखने को मिलता है।

प्रत्येक व्यक्ति आशा एवं ऊर्जा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा तो वह स्वयं के साथ-साथ मानव सभ्यता, समाज एवं राष्ट्र का कल्याण भी सुनिश्चित करेगा। राष्ट्र कवि दिनकर भी कहते हैं-

"वसुधा का नेता कौन हुआ?
भूखंड विजेता कौन हुआ?
नव धर्म प्रणेता कौन हुआ?
जिसने न कभी आराम किया
विघ्नों में रहकर काम किया।"

यह पंक्तियाँ भगवान राम, महात्मा बुद्ध एवं महात्मा गांधी जैसे महानायकों

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

के आशान्वित एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन का सार प्रस्तुत करती है। इन नायकों ने ही समाज को दिशा देने के लिए कभी रामराज्य, मध्यम मार्ग एवं सर्वोदय की संकल्पना दी जिसमें सभी मनुष्यों के कल्याण का भाव निहित है।

जब हम अपना चेहरा रोशनी की ओर रखते हुए भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में उपजे नैतिक मूल्यों को स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं द्वारा संविधान में रखते हैं तो सहज ही पाते हैं कि भारत का संविधान सबके साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय करता है। गरीब, वंचित एवं सुभेद्य वर्ग के स्वप्नों को 80 वर्ष बाद भी साकारित करता है।

इसी प्रकार जब हम रोशनी की ओर देखते हुए प्रोटेस्टेंट वाद जिसने

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

धर्म की जड़ता को तोड़ा वहीं अशोक का धम्म हमें शांति की प्रेरणा देता है। वर्तमान में धर्म निरपेक्षता सभी धर्मों के सम्मान एवं समन्वय के साथ आगे बढ़ती है।

रोशनी की ओर देखते हुए आगे बढ़ने का उदाहरण ब्रिटेन के मैग्नाकार्टा से प्रारंभ होता है जहां पहले सामंती मानसिकता हावी थी वहीं एक नागरिक के रूप में अधिकार मांगता है वहीं वर्तमान में पशुओं के लिए भी अधिकारों की बात हो रही है।

जहां रोशनी की ओर देखकर आगे बढ़ने की बात बल्ब का आविष्कार करने वाला एडीसन 1000 असफलताओं के बाद भी निराश न होकर प्रत्येक घर को रोशन करता है वहीं राईट बंधु मानव को आसमान में उड़ने के सपने को

साकार करता है।

इस कथन के दूसरे पक्ष पर विचार करते हैं। आप क्या हमेशा अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपकी छाया दिखाई नहीं देगी? इस कथन में छाया से तात्पर्य है कि व्यक्ति या राष्ट्र अपने इतिहास का विश्लेषण करें। या और विस्तृत अर्थ में छाया अंधकार, गरीबी एवं वंचितों की ओर देखना भी हो सकता है।

अब हमें छाया की ओर देखने पर विचार करना होगा। मेरा मत है कि मैं हमेशा दोनों पक्षों को देखना चाहूंगी क्योंकि व्यक्ति, राष्ट्र एवं समाज का समग्र विकास इतिहास से प्राप्त अनुभव एवं वंचितों को साथ लेकर ही किया जा सकता है।

"पूर्व चलने के बटोही राह की
पहचान कर ले"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आँख में हो स्वप्न लेकिन
पाँव धरती पर हों।

हमें हमारे समाज में व्याप्त भूखमरी, कुपोषण, गरीबी एवं अन्य वंचनाओं का समाधान करके आगे बढ़ना होगा। इस दाया को पहचानने के परिणामस्वरूप ही ~~हमें~~ हमने मनरेगा, कौशल विकास कार्यक्रम, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत एवं पी एम कृषक सम्मान निधि कार्यक्रम शुरु किये हैं।

भारत में महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक भागीदारी सीमित है भारत की संसद में 10% महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। भारत की सर्वोच्च न्यायालय आजादी ~~की~~ के 80 वर्षों बाद में कोई मुख्य न्यायधीश महिला बना पायेगी यह समाज का सच है। लेकिन रोशनी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

के रूप में महिलायें आगे बढ़ती हुई नजर आ रही है-

" बांध लेंगे क्या इसे
यह मोम के बंधन सजीले
पथ बाधा बनेंगे तितलियों
के पर रंगीले।"

इसी का परिणाम चंद्रयान-3 की लांचिंग में कल्पना की भूमिका उल्लेखनीय थी।

भारत में विश्व के नेतृत्व की क्षमता है लेकिन क्षेत्रीय विषमता, शोध पर कम खर्च, महिलाओं पर की श्रम भागीदारी दर का कम होना चिंतित भी करता है।

अर्थात् भारत में आशा के रूप में रोशनी मौजूद है लेकिन छाया के रूप कुछ विरोधाभास भी नजर आते

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

है। भारत वर्तमान समय में सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य कर रहा है। इनमें उभरती प्रौद्योगिकी, सुशासन, बेहतर विकास दर आदि को देख सकते हैं।

भारत की आशावाद का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति ने करते हुए कहा है कि 21वीं सदी भारत के विकास की सदी है। भारत ने भी अपने विकास यात्रा को सभ्य विकास यात्रा कहा है-

"भारत नहीं स्थान का वाचक
गुण विशेष नर का है"

स्पष्टतः व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र को अपनी विकास यात्रा में छाया से प्रेरणा लेकर अपना चेहरा रोशनी की ओर रखकर ही आगे बढ़ना होगा। युवा पीढ़ी का निर्माण आशा के संचार एवं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कौशल के माध्यम से कर पायेगें।

इसी आशा के संचार से हमें विश्व के प्रत्येक व्यक्ति का कल्याण करना है यह कल्याण है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ एवं सुखी हो के भाव में निहित है।
इसमें ग्रामीण - शहर, क्षेत्रीय विषमता, लर्निंग पुवर्टी, डिजिटल डिवाइड, महिलाओं का शोषण का समाधान करना होगा।

"मेरे देश के सभी नागरिक सुखी, सुंदर एवं सुपोषित हों।"

स्पष्टत: "अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।" यह कथन समग्रता में आशा, प्रकाश जैसे ऊर्जावान भावों से हमेशा संपन्न रहने से ही ऐसे भावों

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

के साथ ही हम एक सभ्य, समावेशी एवं सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकते हैं। भारत 2047 में 3rd सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसरो भी चंद्रयान-3 की सफलता के साथ चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने में सफल होगा। अंतरिक्ष पर्यटन अगले पांच वर्षों का सत्य होगा। यही आशा हमें प्रेरणा देती है -

" सर्वे संतु सुखिन:
सर्वे संतु निरामया।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

वर्तमान v/s भविष्य
- भौतिक व मानसिक
- नैतिक

5W
- What – टूटे हुए वयस्क की मरम्मत
- Where – मजबूत बच्चा
- Why – क्यों है – सबका साथ सबका प्रयास
- When
- Who
- How

History
- विश्व
  - USA – education, Health पर खर्च
    - ओबामा care, ~~new deal कार्यक्रम~~
  - भारत ... जेरेमी बेंथम – धर्म का विरोध
- भारत
  - ~~गांधी – युवाओं~~
    - ~~बुनियादी शिक्षा~~
  - ~~आजादी के बाद पहले प्राथमिक शिक्षा~~
  - ~~प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम~~
- संस्कृति → ~~बाल्य~~ चार आश्रम व्यवस्था के निर्माण
- → ~~साधो~~ शिक्षा का महत्व ~~बरस~~

युवा नेतृत्व हराते। (कलाम – 2020) रघुराम राजन

समाज → महिला → वृद्ध
- बच्चे → वंचित वर्ग
  - → माता के पोषण पर ध्यान दे रहे हैं।
  - → आज का बच्चा कल का पिता है।
  - → ~~बच्चा – नागरिक~~
  - → 29 वर्ष – 37 वर्ष जनांकिकी लाभ
    - आशा की किरण
    - ~~20~~

भूगोल एवं अर्थशास्त्र
- संसाधन की पहचान कर दी
- ~~2047 में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था~~
  - 2027 में तीसरी

Polity → व्यवस्थाओं का शैशवकाल – रूस, अमेरिका, फ्रांस की क्रांति

SPACE FOR ROUGH WORK

→ (संविधान वाद) → आज परिपक्व है।

S&T — अमेरिका
— R&D

जेम्स वाट का भाप इंजन — शैशवावस्था

(नैतिक) → कांट — कर्तव्य पथ
→ बच्चे भविष्य

(नहीं ऐसा नहीं)

① ~~टूटे हुए वयस्क की मरम्मत बहुत जरूरी — संबंधित / निवेश~~

② गांधी, कबीर, नेहरू अपने जीवन, शिक्षाओं का बाद में पीढ़ीगत स्थानान्तरण

③ ~~सतत विकास के लिए आज के व्यस्क जिम्मेदार~~

④ ~~बच्चों के विकास के लिए आज के वयस्क~~

इतिहास

संविधान की उद्देशिका

- (DPSP)
- मूल अधिकार
- कर्तव्य

(अपना चेहरा रोशनी) की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

What — रोशनी — विकास

Where — गांव, शहर

(छाया) — गरीब, कुपोषण

(Why) — सबका कल्याण

When — बच्चों, महिला

How — अच्छे स्वप्नों के साथ

SPACE FOR ROUGH WORK

History
- प्राचीन → अशोक – धम्म का सिद्धांत
  - बुद्ध का उदय → दुःख के निवारण की बात की
    - मध्यम मार्ग
    - शांति का संदेश
  - महान कौन – अकबर – दीन ए इलाही
- विश्व – प्रोटेस्टेन्ट – परिवर्तन
- कला → मंदिर निर्माण उत्साह – कल्पना

Society
- बच्चे – अंधकार
- महिला – कुपोषण
- वृद्ध – दुराम
- युवा → महिला शोषण – LFPR↓

रोशनी / निवारण – शिक्षा, महिला सुरक्षा

भूगोल & अर्थव्यवस्था → बेरोजगारी, चक्रीय अर्थव्यवस्था – अंधकार को क्यों दिखाई अच्छा

I.R. – विभाजित विश्व – बहुध्रुवीय प्रयास

Polity – DPSP – संविधान लागू समय नहीं

S&T – समाधान – उद्योग 4.0 – उभरती प्रौद्योगिकी

आपदा प्रबंधन → उड़ीसा Model – सफलता

नैतिकता
- गीता – निष्काम कर्म
- कार – कर्तव्य कर्तव्य के लिए
- गांधी – साधन-साध्य पवित्र

अंधकार – श्रेष्ठ भारत

निजी जीवन / राष्ट्र का जीवन

निष्कर्ष :- गीता के निष्काम